

लड़ाकू तथा शांतिप्रिय, इन्हें पालतू बनाना कठिन होता है क्योंकि ये स्वभावतः वनों या निर्जन स्थानों में रहना पसंद करते हैं।

वनराज पुं. (तत्.) जंगल का राजा, शेर।

वनराजि स्त्री. (तत्.) 1. वनों की शृंखला, दूर तक फैली हुई वनों की श्रेणी, वृक्षों का बहुत बड़ा समूह 2. वन में आने जाने वालों के पदचिह्नों से बनी पगडंडी।

वनराजी पुं. (तत्.) दे. वनराजि।

वनरुह वि. (तत्.) जल में होने वाला या बढ़ने वाला पुं. कमल।

वनरोपण पुं. (तत्.) 1. वृक्षारोपण 2. वनमहोत्सव।

वनलक्ष्मी स्त्री. (तत्.) 1. वन की शोभा, सौंदर्य 2. वन के सौंदर्य की देवी जो वृक्षों/पशु-पक्षियों को आनंद प्रदान करती है।

वनलता स्त्री. (तत्.) वनों में उगने वाली लताएँ।

वनवास पुं. (तत्.) 1. वन में निवास 2. एक प्रकार का दंड 3. एक व्यवस्था जिसके अनुसार एक निश्चित आयु के बाद गृहस्थी का त्याग कर वन में जाकर रहने का विधान है, वानप्रस्थ।

वनवासी वि. (तत्.) वन में निवास करने वाला पुं. (तत्.) आदिवासी प्रजाति का सदस्य जो जंगल में ही रहता है।

वनवाहन पुं. (तत्.) जल में प्रयुक्त होने वाला वाहन, नौका, जहाज।

वनविज्ञान पुं. (तत्.) वनरोपण, वनसंरक्षण तथा उससे संबंधित समस्त विषयों का अध्ययन करने वाला शास्त्र।

वनवृत्ति स्त्री. (तत्.) 1. वनों के आधार पर चलने वाली आजीविका, वनोत्पादों जैसे- लकड़ी ओषधियाँ, मधु, फल, फूल, पशु, पक्षी आदि को एकत्र कर तथा उनका विक्रय करके चलाई जाने वाली आजीविका 2. जंगली वृत्ति या स्वभाव, जंगली प्रवृत्ति।

वनशूकर पुं. (तत्.) बनैला सूअर।

वनशोभन पुं. (तत्.) पानी की शोभा, कमल।

वनसंरक्षक पुं. (तत्.) वन संपत्ति की सुरक्षा का दायित्व वहन करने वाला अधिकारी।

वनसंस्कृति स्त्री. (तत्.) शहरी संस्कृति से दूर शुद्ध पवित्र वातावरण में बनी संस्कृति, ऋषि-मुनियों की संस्कृति।

वनसमूह पुं. (तत्.) वनों का समूह।

वनस्थ वि. (तत्.) 1. वन में स्थित (वृक्ष, पशु, पक्षी आदि), 2. वन में रहने वाला 3. वानप्रस्थ आश्रम में स्थित।

वनस्थली स्त्री. (तत्.) वनक्षेत्र, वनों से घिरा हुआ हरा-भरा क्षेत्र।

वनस्पति पुं. (तत्.) 1. ऐसे वृक्ष जिनमें बिना फूल लगे फल आते हैं 2. सभी वृक्ष, पौधे एवं लताएँ आदि जो पृथ्वी से उत्पन्न होते हैं, उद्भिज मात्र।

वनस्पति-रंजक वि. (तत्.) वनस्पतियों से प्राप्त रंजक (पदार्थ), वे रंगने वाले (पदार्थ) जो पौधों से प्राप्त हों जैसे- नील, हल्दी।

वनस्पतिशास्त्र पुं. (तत्.) पेड़-पौधे, घास, बेल इत्यादि की प्रजातियाँ, उनकी उत्पत्ति, शारीरिक संरचना इत्यादि समग्र विषयों का अध्ययन करने वाला शास्त्र।

वन-हल्दी पुं. (तत्.) जंगली हल्दी टि. इसकी पत्तियाँ अपेक्षाकृत छोटी और गाँठें भी छोटी तथा गोल होती हैं।

वनांत पुं. (तत्.) 1. जंगल का छोर, अंतिम सीमा 2. जंगल का क्षेत्र, वन-प्रदेश।

वनांतर पुं. (तत्.) 1. दूसरा वन 2. वन प्रदेश।

वनाग्नि पुं. (तत्.) दे. दावाग्नि।

वनानी स्त्री. (तत्.) बहुत बड़ा वन।

वनापशा स्त्री. (तत्.) वनप्रदेश से होकर बहने वाली नदी।

वनालकत पुं. (तत्.) लाल रंग की मिट्टी, गेरु।

वनाली स्त्री. (तत्.) दे. वनराजि।